

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 08 अगस्त, 2026

जारी करने का समय: 1310 घंटे

विषय: (i) इस हफ्ते पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

(ii) अगले 2 दिनों में केरल, तटीय और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की बहुत संभावना है।

आज, 08 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ पूर्वी राजस्थान, हरियाणा-चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी मध्य प्रदेश, ओडिशा और केरल में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, झारखंड, तमिलनाडु, तटीय कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना, असम और नागालैंड में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ औसत समुद्र तल पर मॉनसून गर्त का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के पास है और पूर्वी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में है।
- ❖ दक्षिणी गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी ओडिशा के ऊपर, समुद्र तल से 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैला और ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण अभी भी बना हुआ है। इसके असर से, आज 08 अगस्त 2026 को उसी इलाके में कम दबाव का क्षेत्र बना है।
- ❖ दक्षिणी गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी ओडिशा के ऊपर, निचले और ऊपरी क्षोभ मंडलीयस्तर पर हवा का एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुक रहा है।
- ❖ मध्य और ऊपरी क्षोभ मंडलीयपट्टा हवाओं में एक ट्रफ के रूप में पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है; इसकी धुरी मध्य क्षोभ मंडलीयस्तर पर लगभग 73°E देशांतर के साथ और 29°N अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- ❖ निचले क्षोभ मंडलीयस्तर पर पूर्वोत्तर असम और उसके आस-पास के इलाकों में हवा का एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 8 अगस्त और 10-13 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 8-14 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 10 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 8-13 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 9 अगस्त और 14 अगस्त को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8-14 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; 8 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 9-10 अगस्त के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 10-12 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 8-9 अगस्त और 12-14 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 8 अगस्त और 11-14 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; 8-9 अगस्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 10 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 9-10 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 8 अगस्त और 11-12 अगस्त के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; 8-9 अगस्त और 12-13 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 10-11 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में; 9-10 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 8 अगस्त और 13-14 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 12-14 अगस्त के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; 9-14 अगस्त के दौरान विदर्भ में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ में 11 अगस्त को।
- ❖ 9-12 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 8-11 अगस्त के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 8 अगस्त को विदर्भ; 8-10 अगस्त और 12-14 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 10 अगस्त को विदर्भ; 8-12 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं गरज के साथ छींटे पड़ने और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 9-10 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 8-10 अगस्त के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 10-14 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 11-12 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 8-9 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 8-14 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 13-14 अगस्त के दौरान बिहार में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8-12 अगस्त के दौरान बिहार में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8-14 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कहीं-कहीं गरज के साथ छींटे पड़ने, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं चलने (रफ़्तार 40-50 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है; साथ ही 8-10 अगस्त के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल; 8-12 अगस्त के दौरान झारखंड और ओडिशा; 8-14 अगस्त के दौरान बिहार में तेज़ हवाएं चलने (रफ़्तार 30-40 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ 8-9 अगस्त और 12 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 8 अगस्त और 13-14 अगस्त को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल; 8-10 अगस्त के दौरान झारखंड; 9 अगस्त और 13-14 अगस्त को बिहार में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; ओडिशा में 8 और 9 अगस्त और 12-14 अगस्त के दौरान बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 8-11 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; और 10-11 अगस्त के दौरान असम और मेघालय में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12-14 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 8-9 अगस्त और 12-14 अगस्त के दौरान असम और मेघालय में; और 8-14 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी ज़्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8 अगस्त और 11-12 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश में; 8-12 अगस्त के दौरान असम और मेघालय में; और 8-10 अगस्त और 12 अगस्त को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 8 अगस्त और 11-14 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश में; 8-12 अगस्त के दौरान असम और मेघालय में; और 8-9 अगस्त और 12-14 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 13-14 अगस्त के दौरान असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 8-14 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा में काफी ज़्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8-14 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8-9 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में; और 8-10 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 8-14 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में; और 9-14 अगस्त के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8-14 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और लक्षद्वीप में काफी ज़्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है। 8 अगस्त को दक्षिण अंदरूनी कर्नाटक में।
- ❖ 8-10 अगस्त के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 8-9 अगस्त के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप और उत्तर अंदरूनी कर्नाटक में; 8-12 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है। साथ ही, 8-9 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिण अंदरूनी कर्नाटक में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, जो 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।
- ❖ 8-9 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, लक्षद्वीप और दक्षिण अंदरूनी कर्नाटक में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8 और 9 तारीख को कर्नाटक, केरल और माहे, लक्षद्वीप में; 8-10 तारीख के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; और 8-12 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: 13 अगस्त तक दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों से सटे सोमालिया तट के साथ और उससे दूर; 8 से 10 अगस्त के दौरान पश्चिम-मध्य अरब सागर के कई हिस्सों में (जो पूर्व-मध्य और उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों से सटे हैं); 10 अगस्त को पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में (जो पूर्व-मध्य और उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों से सटे हैं); 11 अगस्त को पश्चिम-मध्य अरब सागर के ज़्यादातर हिस्सों में (जो पूर्व-मध्य और उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों से सटे हैं); 12 अगस्त को पश्चिम-मध्य अरब सागर के ज़्यादातर हिस्सों में (जो उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों से सटे हैं)। 8 से 10 अगस्त के दौरान कर्नाटक और केरल तटों के साथ और उनसे दूर, तथा लक्षद्वीप क्षेत्र से सटे समुद्री इलाकों में।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 8 अगस्त को पश्चिम बंगाल और ओडिशा तटों के साथ और उनसे दूर; 8 से 13 अगस्त के दौरान अंडमान सागर के ऊपर; 8 से 11 अगस्त के दौरान दक्षिण श्रीलंका तट के साथ और उससे दूर (जो दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों से सटे हैं)।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

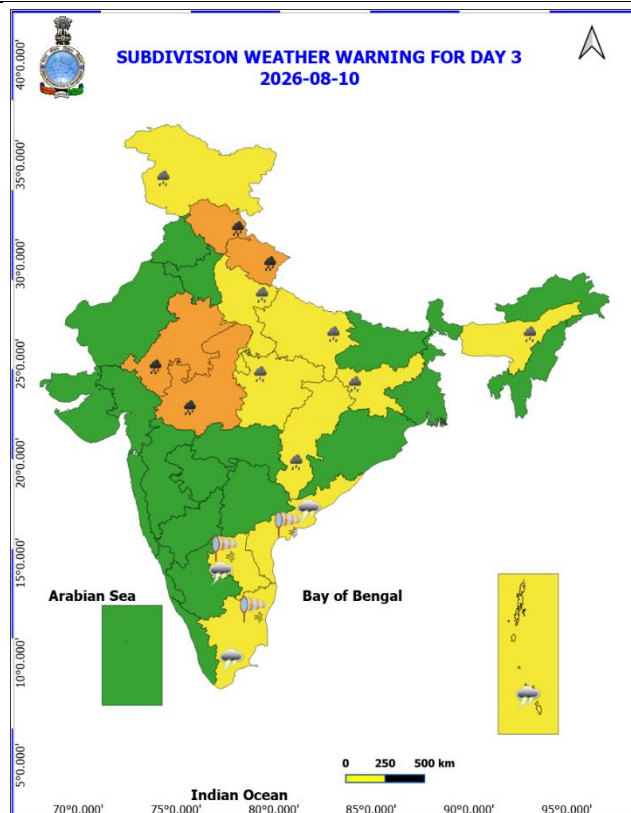
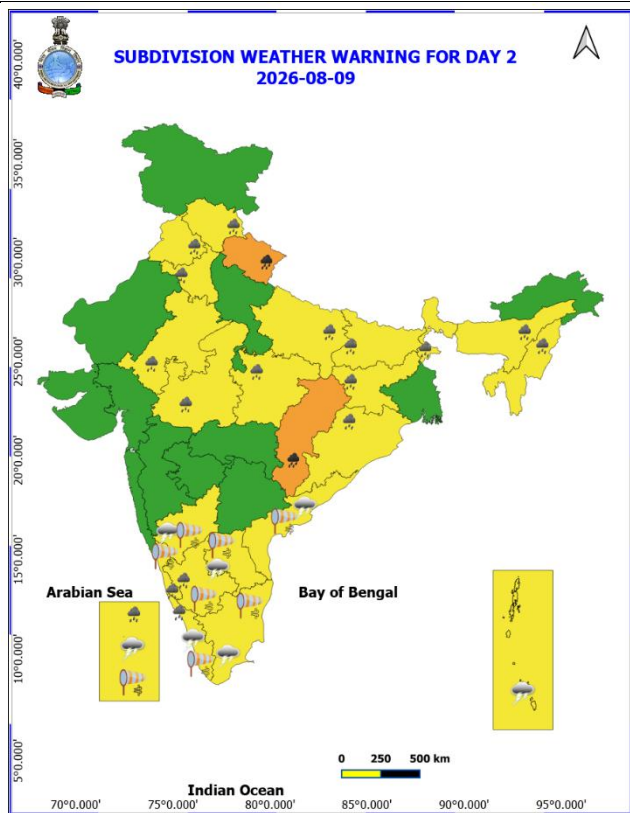
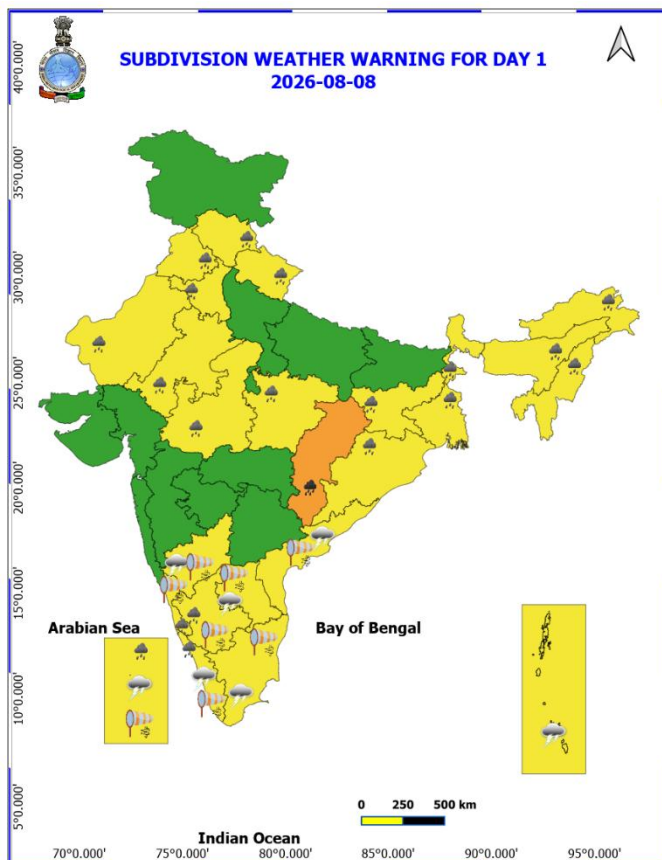
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

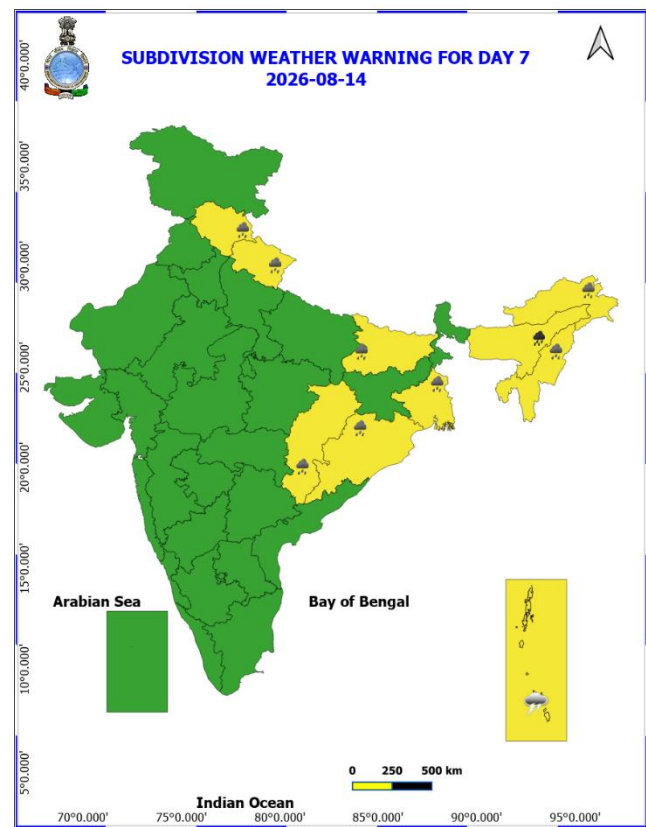
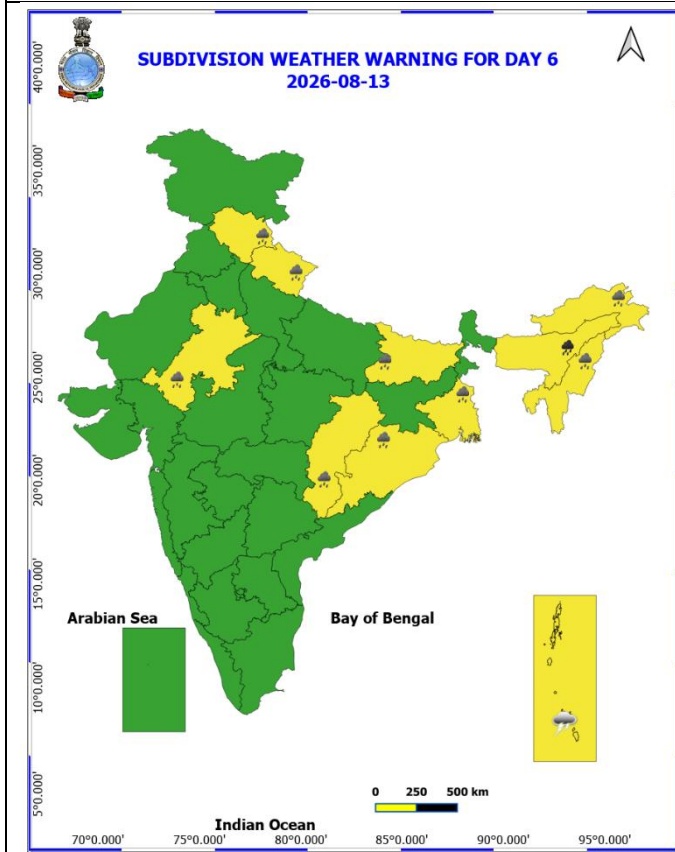
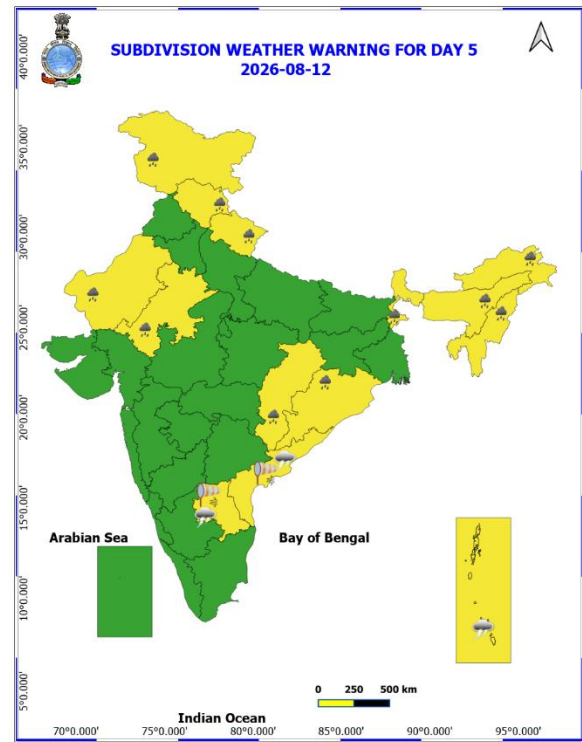
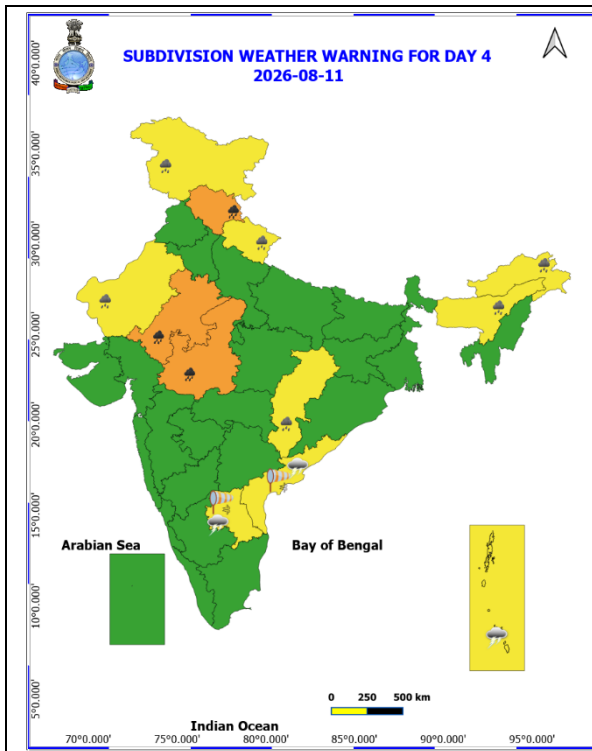
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ केरल: चेम्बरी (जिला कन्नूर) 17
- ❖ दिल्ली: पुष्प विहार 17
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: खनियादान शिवपुरी 16
- ❖ पूर्वी राजस्थान: फरी 16
- ❖ हरियाणा: महम (रोहतक) 14
- ❖ ओडिशा: नयागढ़ 13
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: JITI 11
- ❖ असम: रोवटा_एजीसीएल (एडब्ल्यूएस) 11
- ❖ नागालैंड: दीमापुर 11
- ❖ छत्तीसगढ़: कुसुमी (बलरामपुर) 11
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: कोयना_नवजा (सतारा) 9
- ❖ तटीय कर्नाटक: बेलथांगडी (जिला दक्षिण कन्नड़) 9
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 9
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: नरसिंगपुर 8
- ❖ झारखंड: मझगांव 8
- ❖ तेलंगाना: पापन्नापेट (जिला मेडक) 8
- ❖ उत्तर प्रदेश: आगरा (सीडब्ल्यूसी) (आगरा) 9, छतनाग (प्रयागराज) 7

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	8- Aug	9- Aug	10- Aug	11- Aug	12- Aug	13- Aug	14- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
7	ODISHA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT
14	PUNJAB	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	WS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	SCT	FWS	WS	WS	WS	SCT
17	WEST RAJASTHAN	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	WS	WS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

08 अगस्त से 11 अगस्त 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, जबकि न्यूनतम तापमान में 1°C तक की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 27°C और न्यूनतम तापमान $22-25^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर भारी बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर बहुत भारी बारिश हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आम तौर पर बादल छाए रहे और ज़मीन के पास हवा की गति 16 किमी/घंटा (पूर्व दिशा से) रही। आज सुबह के समय इस इलाके में आम तौर पर बादल छाए रहने और पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

08.08.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $30-32^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से पूर्व दिशा से हवा चलने और इसकी गति 20 किमी/घंटा तक पहुँचने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा (पूर्व दिशा से) हो जाएगी।

09.08.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। शाम के समय फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पूर्वी हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 25 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति और कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा तक रह सकती है।

10.08.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच बहुत हल्की बारिश की एक-दो बार संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 18 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा तक हो सकती है।

11.08.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच बहुत हल्की से हल्की बारिश की एक-दो बार संभावना है। शाम/रात के समय भी बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। सुबह के समय ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी रफ़्तार 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ़्तार कम होकर 15 किमी/घंटा तक रह जाएगी और यह दक्षिण दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार और कम होकर 12 किमी/घंटा तक रह जाएगी और यह दक्षिण दिशा से चलेगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 10-11 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान और हिमाचल प्रदेश; 9-10 अगस्त को उत्तराखंड; 11-12 अगस्त को पश्चिमी मध्य प्रदेश; 8-9 अगस्त को छत्तीसगढ़; 8 अगस्त को ओडिशा; 13-14 अगस्त को असम और मेघालय; और 8-9 अगस्त को तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, लक्षद्वीप और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए धान, मक्का, सोयाबीन और रागी के खेतों, बागों और निचले इलाकों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। बेलों को बांस के खंभों या मचानों से मज़बूती से बांधें ताकि वे गिरें नहीं।
- ❖ असम में, खेतों में पानी की निकासी के रास्ते साफ़ रखें और धान की नर्सरी, जूट, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, तिल और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे।
- ❖ मेघालय में, धान की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों से पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे। पानी की निकासी के रास्ते तुरंत खोलें और केले व भारी फलों वाली अन्य फसलों को सहारा दें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों से पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें ताकि पानी जमा न रहे। केले और कमज़ोर तने वाली अन्य फसलों को बांस का सहारा दें और धान व मूंगफली के खेतों में लंबे समय तक पानी जमा न होने दें।
- ❖ उत्तराखंड में, धान, गन्ना, उड़द, मूंग, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली, तिल, झंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट), रागी, टमाटर और मिर्च के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे। जहां खेत की हालत ठीक हो, वहां तैयार टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें।

- ❖ हिमाचल प्रदेश में, जहां भी संभव हो मटर की फलियों और सब्जियों (टमाटर, शिमला मिर्च, बैंगन आदि) की कटाई करें और कटी हुई फसल को सुरक्षित जगह पर रखें। धान, मक्का, रागी, टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, मिर्च और खीरे के खेतों और सेब व नाशपाती के बागों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें ताकि बारिश का अतिरिक्त पानी जल्दी निकल सके।
- ❖ हरियाणा में, खड़ी फसल वाले खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें और खेतों व बागों से बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकालें।
- ❖ उत्तर प्रदेश में, अरहर, मक्का, मूंगफली, तिल, धान, सब्जी और अन्य खड़ी फसलों के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें, खासकर निचले इलाकों में जहां पानी जमा होने का खतरा रहता है।
- ❖ राजस्थान में, पहले से बोई गई बाजरा, मूंग, तिल, मोठ, ग्वार, अन्य खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों से पानी की निकासी के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।
- ❖ ओडिशा में, पानी जमा होने से बचाने के लिए धान की नर्सरी और खरीफ़ फसलों (जैसे मक्का, दालें - मूंग, उड़द, अरहर; तिलहन - मूंगफली, तिल; कपास, सब्जियाँ और फलों के बाग) के खेतों में पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम करें। केले, पपीते, गन्ने, टमाटर और बेल वाली सब्जियों को सहारा दें।
- ❖ झारखंड में, पानी जमा होने से बचाने के लिए धान, रागी, मक्का, टमाटर की नर्सरी और दूसरी खड़ी फसलों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। फसल की देखभाल वाले काम (जैसे निराई-गुड़ाई) कुछ समय के लिए टाल दें और पक्का करें कि खेतों से ज्यादा बारिश का पानी जल्दी निकल जाए।
- ❖ बिहार में, खेतों से ज्यादा बारिश का पानी निकालने का सही इंतज़ाम करें और खाद व कीटनाशक डालने का काम कुछ समय के लिए टाल दें।
- ❖ अंडमान और निकोबार में, सुपारी, नारियल और मसालों को नमी से बचाने के लिए उनकी कटाई करें और उन्हें साफ़, सूखी और हवादार जगहों पर रखें। धान की नर्सरी और रोपाई वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें; खेत की मेड़ों की मरम्मत करें; हल्दी, अदरक और काली मिर्च के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें ताकि कुछ समय के लिए भी पानी जमा न हो।
- ❖ पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, पानी जमा होने से बचाने के लिए धान की नर्सरी और धान, अदरक, टमाटर, मिर्च, डल्ले खोरसानी, रागी व फलों के बागों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। धान की रोपाई वाले खेतों में सीढ़ीदार मेड़ों को मज़बूत करें।
- ❖ मध्य प्रदेश में, सही दूरी पर पानी की निकासी के रास्ते बनाकर खेतों से ज्यादा बारिश का पानी जल्दी निकालने का इंतज़ाम करें और पानी जमा होने से बचाने के लिए सभी खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, कुछ समय के लिए पानी जमा होने से बचाने के लिए नर्सरी और निचले इलाकों वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें।
- ❖ केरल में, पानी जमा होने से बचाने के लिए केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च के बागानों और हल्दी व सब्जियों के खेतों से ज्यादा बारिश का पानी निकाल दें। केले के पौधों और मचान पर उगाई जाने वाली फसलों को मज़बूत सहारा दें।
- ❖ तटीय और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में, खेतों में पानी की निकासी के रास्तों को साफ़ रखें और लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए धान, मक्का, मोटे अनाज, सब्जियाँ, सुपारी के बागानों और फलों के बागों से ज्यादा बारिश का पानी निकाल दें। केले और टमाटर की फसलों को यांत्रिक सहारा दें।
- ❖ जम्मू-कश्मीर और पंजाब समेत जिन इलाकों में भारी बारिश की उम्मीद है, वहाँ खड़ी फसलों में सिंचाई न करें और खेतों से ज्यादा बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

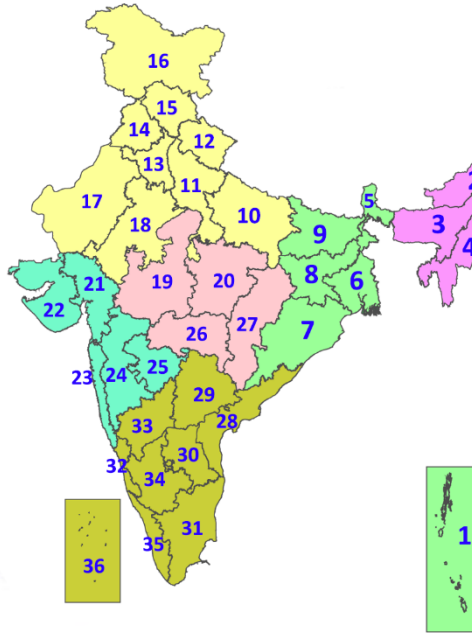
- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)